गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 10 | गोरखपुर रविवार 31 अगस्त 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ की 570 करोड़ की 186 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

♦ संभल में डेमोग्राफी बदलने के लिए सपा-कांग्रेस ने रची साजिशः सीएम

संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रतापगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने संभल में 2024 की हिंसा पर आई न्यायिक आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल में चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। उस वक्त हिन्दुओं की जनसांख्यिकी को कम करके डेमोग्राफी बदलने की साजिशें रची गईं। आज डबल इंजन की सरकार किसी भी कीमत पर ऐसी विभाजनकारी राजनीति नहीं होने देगी। जो भी प्रदेश की डेमोग्राफी बदलने का प्रयास करेगा, उसे स्वयं पलायन करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतापगढ़ में 570 करोड़ रुपये की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को देखकर विपक्ष बौखला गया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का इंडी गठबंधन वास्तव में एंटी इंडिया गठबंधन है। यह गठबंधन भारत की आन-बान-शान से खिलवाड़ करता है और देश को जाति-धर्म के आधार पर बांटने का काम करता है। सीएम योगी ने कहा कि जब-जब इन्हें सत्ता मिली, तब-तब इन्होंने माफिया को बढ़ावा दिया, गुंडागर्दी करवाई और गरीबों का हक छीना। अब जब जनता ने इन्हें नकार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश में विकास कार्यों को देखकर विपक्ष बौखला गया है। सीएम योगी ने हाल ही में बिहार में इंडिया गठबंधन की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई अभद्र टिप्पणियों को विपक्ष की हताशा का नतीजा बताते हुए कहा कि ऐसे लोग राजनीति में जगह के लायक नहीं हैं। इन लोगों को समझना चाहिए भारत के प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं और उनके प्रति अपशब्दों का प्रयोग करने का मतलब सूरज पर थूकने जैसा है। यह थूक इनके ऊपर आ रहा है। इन लोगों की भाषा से आज 140 करोड़ भारतवासी अपने आपको अपमानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तुष्टिकरण नहीं संतुष्टीकरण के माध्यम से सशक्तिकरण की तरफ हम लोग आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए 8 वर्ष में 6 करोड लोगों को गरीबी रेखा से उभारने में मदद मिली। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने आज माफिया संस्कृति को खत्म कर प्रदेश को विकास की राह पर ला दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने हर जिले को एक माफिया दिया था, जो लूट-खसोट करता था, विकास योजनाओं में डकैती डालता था और गरीबों के हक छीनता था। लेकिन डबल इंजन की सरकार ने माफिया को खत्म कर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज दिया है।

भारत में इस्लाम नहीं रहेगा, ऐसा हिंदू सोच नहीं: भागवत का बड़ा बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा

है कि भारत अखंड है और इसकी एकता उसके पूर्वजों, संस्कृति और मातृभूमि पर आधारित है। भागवत ने दिल्ली में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के अंतिम दिन संघ से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रश्नों के उत्तर देते हुए कहा कि भारत अखंड है; यह जीवन का एक सत्य है। हमारे पूर्वज, संस्कृति और मातृभूमि हमें एक सूत्र में पिरोते हैं। अखंड भारत केवल राजनीति नहीं, बल्कि जनचेतना की एकता है। जब यह भावना जागृत होगी, तो सभी शांति और समृद्धि से रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मानना ?गलत है कि संघ किसी का विरोधी है। भागवत ने कहा है कि हमारे पूर्वज और संस्कृति एक ही हैं। पूजा पद्धतियाँ भिन्न हो सकती हैं, लेकिन हमारी पहचान एक है। धर्म बदलने से समुदाय नहीं बदलता। सभी पक्षों में आपसी विश्वास का निर्माण होना चाहिए। मुसलमानों को इस डर से उबरना होगा कि दूसरों के साथ हाथ मिलाने से उनका इस्लाम मिट जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मथुरा और काशी के बारे में हिंदू समाज की भावनाएँ स्वाभाविक हैं। उन्होंने कहा कि जब सब एक हैं तो हिंदू-मुस्लिम एकता की बात क्यों हो रही है?

आतंकवाद के खिलाफ मानवता की जीत का स्वर्णिम अध्याय है ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ मानवता की लड़ाई का एक स्वर्णिम अध्याय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस और रिपोर्टिंग प्रणाली के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के योगदान की तारीफ की। आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

स्कोप एमिनेंस अवार्ड्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने साल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका पर बात की। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने राजस्व और लाभ सहित

प्रमुख वित्तीय मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि तीन-चौथाई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम लाभ कमा रहे हैं, और पिछले दशक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का शुद्ध लाभ काफी बढ़ा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सार्वजनिक उद्योगों ने सुशासन और पारदर्शिता के क्षेत्र में मानक स्थापित किए हैं। राष्ट्रपति ने मेक इन इंडिया अभियान की अहमियत पर कहा 'सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं।' देश के रक्षा क्षेत्र का विशेष उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी शिविरों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया और भारत पर हमले के प्रयासों को विफल कर दिया। स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने अचूक क्षमता का प्रदर्शन किया। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने इस प्रणाली के निर्माण में योगदान दिया है। यह उनके लिए बहुत गर्व की बात है।'

केजरीवाल का कांग्रेस-भाजपा पर बड़ा वार...

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया है, जबकि उनकी पार्टी के नेताओं को झूठे मामलों में जेल भेजा गया है। केजरीवाल ने नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में पार्टी विधायकों और पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि लोग पूछते हैं कि भाजपा ने आप के पाँच शीर्ष नेताओं को जेल क्यों भेजा, लेकिन कांग्रेस के एक भी नेता को नहीं। वे नेशनल हेराल्ड मामले पर लगातार चिल्लाते रहते हैं।

अगर थोड़ी भी शर्म बची है तो...

अमित शाह का राहुल और कांग्रेस पर वार, बोले-जितनी गाली दोगे, उतना खिलेगा कमल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार में 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर कथित रूप से की गई गालियों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। असम के गुवाहाटी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने राहुल गांधी से प्रधानमंत्री मोदी से माफी मांगने को कहा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' में उनकी नफरत की नकारात्मक राजनीति का निम्न स्तर देखने को मिला। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके सबसे निंदनीय कृत्य किया है। मैं इसकी निंदा करता हूँ। राहुल गांधी ने जो राजनीति शुरू की है, वह हमें गर्त में ले जाएगी। शाह ने आगे कहा कि मैं राहुल गांधी से पूछता हूँ कि अगर थोड़ी भी शर्म बची है, तो

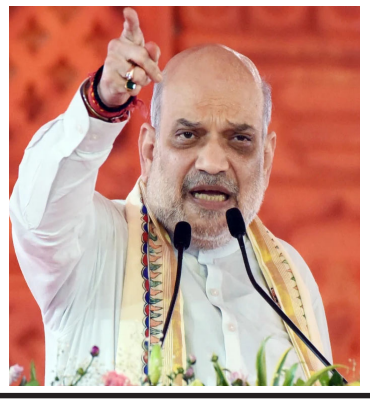

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां से माफी मांगें। शाह ने आगे कहा कि कई कांग्रेस नेताओं ने अतीत में प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। मोदी जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर, जयराम रमेश और रेणुका चौधरी ने मोदी जी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है।

नालंदा की धरोहर से लेकर एआई के भविष्य तक, भारत के युवा करेंगे विश्व का नेतृत्व: सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने IIIT-दिल्ली के टेक फेस्ट एर अ को संबोधित करते हुए युवाओं से भारत के अगले अध्याय के निमार्ता बनने और भारत को विश्वगुरू के रूप में स्थापित करने का आान किया। भारत की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, शून्य के आविष्कार से लेकर आयुर्विज्ञान और शल्य चिकित्सा की प्रगति तक, नालंदा और तक्षशिला जैसी विश्वविद्यालयों तक, ज्ञान की यह खोज हमारे डीएनए में है। हार्वर्ड की सबसे बड़ी लाइब्रेरी भी नालंदा के सामने छोटी लगती है। वह चिंगारी आज भी हमारे भीतर जीवित है। मंत्री ने इस आयोजन को सपनों को हकीकत बनाने का लॉन्चपैड बताते हुए छात्रों से कहा कि वे नए रास्ते तलाशें और नवाचार करें क्योंकि अब भारत का युवा सिर्फ देश का विकास ही नहीं बल्कि वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता रखता है।

सम्पादकीय...

कोचिंग की मजबूरी

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे-धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता-पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम- 25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिये राशि बढ़कर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे। सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकरमुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाधान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंध या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

राशिफल

मेषः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

बृषभः- शासन-सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी।

निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः- सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

बारूद के एक ढेर पर बैठी है, ये दुनिया!

रमाकांत नाथ

अब तक, यूक्रेन से लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं और कई घायल हुए हैं। रूसी सेना ने यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत भू-भाग पर नियंत्रण कर लिया है, जबकि रूस यूक्रेन से औद्योगिक रूप से समृद्ध डोनेट्स्क क्षेत्र को छीनने की कोशिश कर रहा है। अगर इस युद्ध को नहीं रोका गया, तो यह विश्वयुद्ध में बदल सकता है और पूरी मानव सभ्यता के लिए एक भयानक आपदा बन सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 'अलास्का शिखर सम्मेलन' हो गया है। कई लोग कहने लगे हैं कि इस बैठक का नतीजा कु छ भी नहीं निकला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शब्दों से यह स्पष्ट हो गया है कि वे 'शिखर सम्मेलन' में किसी नतीजे की उम्मीद लेकर नहीं आए थे। तो यह 'शिखर सम्मेलन' क्यों आयोजित किया गया, जिससे कोई नतीजा नहीं निकल सका या रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का कोई समाधान नहीं निकल सका? पूरी दुनिया 'अलास्का शिखर सम्मेलन' के नतीजों का इंतजार कर रही थी और उम्मीद कर रही थी कि 3 साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को रोका जा सकेगा। साथ ही, उन्हें उम्मीद थी कि दुनिया को एक संभावित महायुद्ध, परमाणु युद्ध से बचाया जा सकेगा। हालांकि अलास्का में दुनिया की उम्मीदों के मुताबिक नतीजे नहीं मिले, लेकिन यह कहा जा सकता है कि इस वार्ता ने रूस और यूक्रेन के बीच अगले 'शिखर सम्मेलन' और शांति वार्ता का मार्ग प्रशस्त किया है और रूस, यूक्रेन के बीच शांति संधि पर सहमत होने के लिए अनुकूल माहौल बनाया है। अगर हम इसे दूसरे नजरिए से देखें, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि अलास्का वार्ता विश्व में शांति स्थापित करने, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने, संभावित विश्वयुद्ध को रोकने, संभावित परमाणु युद्ध के प्रभावों से दुनिया को बचाने जैसे मुद्दों पर नहीं थी। दुनिया की दो महाशक्तियां, अमेरिका और रूस, लंबे समय के बाद आमने-सामने आईं और एक-दूसरे का अध्ययन किया। अप्रत्यक्ष रूप से यह कहा जा सकता है कि अपने-अपने साम्राज्यों की सुरक्षा और विस्तार तथा दोनों विश्व नेताओं की तानाशाही और विश्व विजेता बनने की चाहत उन्हें अलास्का खींच लाई थी। 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' (मागा) के नारे के साथ दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप को इस बात का अहसास नहीं था कि जिस तरह फीनिक्स पक्षी अपनी राख से उठ खड़ा होता है, उसी तरह पुतिन रूस को फिर से दुनिया की एक महान शक्ति बनाना चाहते हैं और यूक्रेन समेत उसके सभी विभाजित 14 क्षेत्रों को एकजुट करना चाहते हैं। अलास्का वार्ता के बाद स्पष्ट हो गया है कि अमेरिका के प्रभाव, उकसावे, प्रतिक्रिया और व्यापार शुल्कों की धमकियों के तहत दुनिया में शांति स्थापित करना संभव नहीं होगा। वैसे भी ट्रम्प अपनी 'नोबेल पुरस्कार' की जिद के कारण पुतिन की बातों से सहमत होने के लिए मजबूर हो गए हैं। दुनिया के दो प्रमुख नेताओं का एक साथ आना और विश्व शांति के लिए एक मसौदा तैयार करना महत्वपूर्ण घटना थी। तीन घंटे की बैठक के दौरान, रूसी राष्ट्रपति पुतिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से ज्यादा प्रभावशाली दिखाई दिए। पुतिन 'शिखर सम्मेलन' से पहले रखी गई अपनी शर्तों पर अडिग रहे और राष्ट्रपति ट्रम्प पुतिन को प्रभावित नहीं कर पाए। बल्कि, ट्रंप को यह मानने पर मजबूर होना पड़ा कि रूस का अपनी सीमा सुरक्षा को लेकर चिंतित या सक्रिय होना गलत नहीं है। संक्षेप में, ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की को

यह संदेश दे दिया है कि रूस एक महाशक्ति है। इसलिए उससे बहस करने की बजाय, उसकी बातों में आना या उसकी इच्छा के अनुसार काम करना बेहतर होगा। ट्रंप-पुतिन वार्ता के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति और रूसी राष्ट्रपति अगले महीने शांति वार्ता के लिए मास्को में फिर मिलेंगे। इस वार्ता में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के शामिल होने की भी संभावना है, लेकिन जब जेलेंस्की पुतिन की शर्तें मानने को तैयार नहीं हैं, तो यह उम्मीद कम ही है कि जेलेंस्की 'मास्को शिखर सम्मेलन' में रूस-यूक्रेन युद्ध का कोई समाधान निकालेंगे। विश्व में युद्ध और आतंक के भय को बढ़ाने में यदि किसी का सबसे अधिक योगदान रहा है, तो वह अमेरिका ही है। यह आश्चर्यजनक है कि अमेरिका विश्व में शांति स्थापित करने के लिए आगे आया है। वियतनाम से लेकर, मध्य पूर्व में ईरान और इराक के बीच युद्ध, सोवियत संघ के प्रभाव को समाप्त करने और अफगानिस्तान में लोकतंत्र स्थापना के नाम पर नरसंहार, इराक के खनिज संसाधनों पर कब्जा करने के लिए सद्दाम हुसैन की हत्या, तानाशाही उन्मूलन की आड़ में अपनी तानाशाही महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति और हथियारों के व्यापार को बढ़ाने के लिए देशों के बीच संघर्ष, गृहयुद्ध आदि भड़काने में अमेरिका के योगदान को कोई नकार नहीं सकता। अमेरिका द्वारा भड़काई गई कई हिंसक घटनाओं, जैसे - गाजा, फिलिस्तीन में इजरायल द्वारा नरसंहार, ईरान में युद्ध, सीरिया में गृहयुद्ध आदि के बरक्स शांति का अग्रदूत बनना विश्व के लोगों के लिए अमेरिका का एक धोखा मात्र है।

कुछ खास...

भारत के रूस से तेल खरीदने को वैश्विक बाजार का समर्थन

वाशिंगटन के दंडात्मक शुल्क, जिनका उद्देश्य भारत को इन ख?ीदों से रोकना है, उसी क्षेत्र पर शायद बहुत कम प्रभाव डाल रहे हैं जिसे वे प्रभावित करना चाहते थे। टैरिफ

का असर तेल बाजार में नहीं, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भारतीय निर्यात के क्षेत्र में है। नई दिल्ली के लिए अमेरिका सबसे बड़े और सबसे आकर्षक बाजारों में से एक बना हुआ है। वैश्विक तेल बाजार अब तक झटकों को झेलने में माहिर हो चुका है, वैश्विक तेल बाजार ने अशांति पैदा करने के बजाय, भारत द्वारा रूसी तेल खरीद पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्कों को सहजता से लिया है। कच्चे तेल की कीमतों में कोई असाधारण बदलाव नहीं आया है। यह शांति दशार्ती है कि व्यापारियों और निवेशकों ने पहले ही भारत के रूसी तेल को छोड़ने के अमेरिकी दबाव में न झुकने के फैसले को ध्यान में रखा था। कारण काफी सीधा है। भारत के लिए, रियायती दरों पर रूसी तेल तक पहुंच केवल एक आर्थिक सुविधा ही नहीं, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता भी है। आने वाले वर्षों में देश की ऊर्जा मांग के किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेजी से बढ़ने का अनुमान है, इसलिए विश्वसनीय और किफायती आपूर्ति श्रृंखलाएं सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोपीय बाजारों तक पहुंच में कमी के दबाव में, मास्को ने स्वेच्छा से एक सस्ते आपूर्तिकर्ता की भूमिका निभाई है और भारत को ऐसी दरों पर कच्चा तेल उपलब्ध कराया है जिसका विरोध करना मुश्किल है। रूसी तेल खरीदकर, भारत न केवल बढ़ती वैश्विक कीमतों से अपनी अर्थव्यवस्था को बचाता है, बल्कि रूसी आपूर्ति के एक बड़े हिस्से को अवशोषित करके वैश्विक तेल बाजार पर एक स्थिर प्रभाव भी डालता है, जो अन्यथा अस्थिरता का कारण बन सकता था। दीर्घकालिक निहितार्थ और भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। यदि टैरिफ व्यवस्था जारी रहती है, तो भारतीय निर्यातकों को अपने व्यापार पैटर्न को पुनर्निर्देशित करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, और वे यूरोपीय, अफ्रीकी और एशियाई बाजारों तक अधिक पहुंच की तलाश कर सकते हैं। हालांकि व्यापार का विविधीकरण स्वाभाविक रूप से नकारात्मक नहीं है, लेकिन अमेरिका से दूर जाने की अचानक आवश्यकता स्थापित व्यावसायिक मॉडलों को बाधित कर सकती है और संक्रमणकालीन कठिनाइयां पैदा कर सकती है। इसके अलावा, यह जोखिम भी है कि अमेरिकी कंपनियां स्वयं इसका प्रभाव महसूस करेंगी, क्योंकि फार्मास्यूटिकल्स और आईटी सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों में भारतीय आपूर्ति श्रृंखलाएं अमेरिकी व्यावसायिक हितों से गहराई से जुड़ी हुई हैं। टैरिफ भारतीय निर्यातकों को दंडित करके जो हासिल करता है, वह अमेरिकी उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए लागत बढ़ाकर उसे उतना ही नुकसान पहुंचा सकता है। रूसी तेल पर नई दिल्ली का रुख प्रतिस्पर्धी गुटों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने के उसके व्यापक विदेश नीति सिद्धांत के अनुरूप है। भारत के लिए, ऊर्जा सुरक्षा इतनी महत्वपूर्ण है कि इसे कूटनीतिक दबाव की वेदी पर बलिदान नहीं किया जा सकता, खासकर जब किफायती विकल्प सीमित हों। रियायती रूसी तेल भारत की अर्थव्यवस्था को ऐसे समय में महत्वपूर्ण राहत प्रदान करता है जब मुद्रास्फीति का जोखिम अधिक है और देश विकास के स्तर को बनाए रखने के लिए प्रयासरत है।

मां बनने के लिए तरसी सनी लियोनी ने सरोगेट मदर को दिए करोड़ों

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी तीन बच्चों की मां हैं। एक गोद ली हुई बेटी निशा और सरोगेसी से पैदा हुए जुड़वां बेटों नूह और अशर। हाल ही में सनी लियोनी ने अपने सरोगेसी अनुभव के बारे में एक चैंकाने वाला खुलासा किय। उन्होंने बताया कि सरोगेट मां को इतनी मोटी रकम मिली थी कि वह अपना घर बनवा पाई और अपनी शादी का खर्च उठा पाई। सनी अपने अगले पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में सोहा अली खान के साथ सरोगेसी के सफर पर बात करती नजर आएंगी। इस एपिसोड का ट्रेलर सोहा ने गुरुवार को पोस्ट किया। वीडियो की शुरूआत सोहा अली खान के ये कहने से होती है–आज का एपिसोड असल में माता–पिता बनने के अलग–अलग तरीकों को जानने के बारे में है जिसके बाद सनी कहती हैं–मेरे मन में एक विचार आया कि मैं एक बच्चा गोद लेना चाहती हूं।श भारत की स्त्री रोग विशेषज्ञों में से एक, किरण कोएलो भी महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में बात करने के लिए उनके साथ हैं। ट्रेलर में, सनी एक बच्ची को गोद लेने के सफर के बारे में बाता करते हुए कहती हैं –हमने गोद लेने के लिए आवेदन किया था और जिस दिन आईवीएफ हुआ उसी दिन हमें एक बच्ची मिल गई। बातचीत के दौरान, सोहा ने सनी से पूछा कि क्या उन्होंने सरोगेसी का फैसला जानबूझकर लिया था क्योंकि वह मां नहीं बनना चाहती थीं। सनी ने इस बात पर कहा, हां मैंने ऐसा नहीं किया।

गोविंदा और सुनीता के रिश्ते पर बप्पा की कृपा: कपल ने नाचते गाते हुए बेटे संग किया गणपति विसर्जन, सामने आया वीडियो

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा एक साथ नजर आए, जिससे हाल ही में उठी तलाक की अफवाहों पर विराम लग गया है। विसर्जन के दौरान दोनों ने पूरे जोश के साथ बप्पा को विदा किया और

उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। गोविंदा और सुनीता आहुजा ने अपने बेटे के साथ धूमधाम से बप्पा को विदाई दी। दोनों न केवल एक साथ दिखे, बल्कि उन्होंने ढोल–नगाड़ों की थाप पर खूब डांस भी किया। गोविंदा सफेद कुर्ता–पजामा पहने हमेशा की तरह एनर्जेटिक अंदाज में नजर आए, जबकि सुनीता ट्रेडिशनल सूट में कूल लुक में नजर आईं। वहीं, उनके बेटे यशवर्धन बप्पा की मूर्ति को अपनी गोद में उठाए हुए दिखे। विसर्जन के दौरान इन तीनों की केमिस्ट्री ने यह साफ कर दिया कि परिवार में सब कुछ ठीक चल रहा है। विसर्जन से पहले सुनीता आहूजा ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह गोविंदा, अपने बेटे यशवर्धन, मां और एक्ट्रेस मनीषा कोइराला के साथ कैमरे के सामने खड़ी दिखीं। इस फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा–गणपति बप्पा मोरया। इस पोस्ट ने भी यह संकेत दिया कि गोविंदा और सुनीता के रिश्ते में कोई दरार नहीं है और वे मिलकर बप्पा का स्वागत और पूजा कर रहे हैं। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि गोविंदा और सुनीता के बीच अनबन चल रही है और दोनों तलाक की प्रक्रिया में हैं। इन अटकलों पर एक्टर के मैनेजर शशि सिन्हा ने प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि ये खबरें पुरानी और निराधार हैं।

हाथ में मिठाई और चेहरे पर मुस्कान..

मां महिमा चौधरी संग एयरपोर्ट स्पॉट हुई अरियाना ने चुराई लाइलाइट, यूजर्स बोले–ये तो कार्बन कॉपी

एक्ट्रेस महिमा चैधरी की बेटी अरियाना मुखर्जी चर्चित स्टार किड्स में से एक हैं। जब भी अरियाना स्पॉट होती हैं तो लाइमलाइट लूट लेती हैं। गुरुवार को मां–बेटी की जोड़ी मुंबई एयरपोर्ट स्पॉट हुई। जैसे ही दोनों अंदर आईं, पपाराजी ने उन्हें कैमरे में कैद कर लिया और फैन्स अपना प्यार नहीं रोक पाए और ऑनलाइन प्यार भरे कमेंट्स की बौछार कर दी। महिमा और अरियाना ने खुशी–खुशी साथ में तस्वीरें खिंचवाईं। लुक की बात करें तो महिमा ने शर्ट, जींस और ब्लेजर में अपना क्लासी लुक बरकरार रखा। अरियाना ने ब्लैक क्रॉप टॉप और बैगी पैंट के साथ कैजुअल लुक चुना। उनकी चमकदार मुस्कान इस मौके का मुख्य आकर्षण बन गई। एक फैन ने कमेंट किया–वह स्टार किड्स में सबसे प्यारी हैं। एक ने लिखा– अपनी मां की कॉपी बिल्कुल।

टेलर स्विफ्ट ने ट्रैविस केल्से से की सगाई

शाही अमेरिकी शादी का फैंस बेसब्री से कर रहे इंतजार

गायिका टेलर स्विफ्ट और अमेरिकी फुटबॉलर ट्रैविस केल्से ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत पोस्ट में अपनी सगाई की घोषणा की। 2.3 करोड़ लाइक्स और 15 लाख रीपोस्ट वाली इस पोस्ट ने सभी को बेहद खुश कर दिया। टेलर के प्रशंसक, जैसा कि वे खुद को प्यार से स्विफ्टीज कहते हैं, और गैर–स्विफ्टीज ने भी अपने सोशल मीडिया पेजों पर इस आईटी जोड़े के लिए अपनी खुशी व्यक्त की। 35 वर्षीय पॉप स्टार और कैनसस सिटी चीफ्स के टाइट एंड खिलाड़ी ने इंस्टाग्राम पर एक पटाखे वाले इमोजी के साथ लिखाः "आपके अंग्रेजी शिक्षक और आपके जिम शिक्षक शादी कर रहे हैं।" इसके साथ ही उन्होंने हरे–भरे फूलों से सजे अपने कई फोटो भी पोस्ट किए। पीपल के अनुसार, केल्से, जो तस्वीरों में घुटनों के बल बैठे दिखाई दे रहे हैं, ने न्यूयॉर्क शहर के डिजाइनर किंड्रेड ल्यूबेक ऑफ आर्टिफेक्स फाइन ज्वेलरी द्वारा बनाई गई अंगूठी पहनाकर प्रपोज किया। दोनों ने 26 अगस्त को अपनी सगाई की खबर की घोषणा की। या, जैसा कि उन्होंने एक संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखाः "आपके अंग्रेजी शिक्षक और आपके जिम शिक्षक शादी कर रहे हैं।" केल्से ने आर्टिफेक्स फाइन ज्वेलरी के किंड्रेड ल्यूबेक के साथ मिलकर अंगूठी डिजाइन की। केल्से ने कोनों पर गोल, बेजल–सेट पीले सोने के साथ एक शानदार कट वाले पुराने खदान के हीरे के साथ शादी का प्रस्ताव रखा, जिस पर बैंड के किनारे नक्काशी की गई थी। जाहिर है, चार 'सी' में से किसी का भी त्याग करने की कोई जरूरत नहीं थीः रंगहीन हीरे ने उनकी बाईं अनामिका उंगली के ज्यादातर हिस्से को घेर लिया था। टेलर स्विफ्ट के एक फैन पेज पर यह तस्वीर साझा करते हुए लिखा, "टेलर आखिरकार अपने परीकथा वाले सपनों को जी रही है, जिनके बारे में वह किशोरावस्था में गीत लिखती थीं, कोई मुझे बेहोश कर दे।" पर एक अन्य यूजर ने लिखा, "आप ज्यादा खुश लग रही हैं।" हाँ, टेलर स्विफ्ट ने सालों तक परियों की कहानियों और सुखद अंत के सपने देखने के बाद सगाई कर ली है और कोई ऐसा व्यक्ति जो उन्हें मंत्रमुग्ध कर दे और आखिरकार उन्हें यह मिल ही गया (sic)," जबकि एक इंटरनेट यूजर ने पोस्ट किया, "टेलर स्विफ्ट को आखिरकार वह परीकथा मिल ही गई जिसके बारे में वह 20 सालों से गा रही थीं।" टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्से की सगाई की घोषणा ने उनकी प्रेम कहानी को समेट दिया। उनके प्रशंसक लंबे समय से उन्हें 'अंग्रेजी टीचर और जिम टीचर' की जोड़ी कहते रहे हैं, एक मजाकिया अंदाज में, जिसे उन्होंने खुद अपने गाने 'सो हाई स्कूल' में गाया था। यह जोड़ा 2023 में एक–दूसरे से मिला। दोस्ती से शुरू हुआ यह रिश्ता प्यार में बदल गया और दोनों एक–दूसरे से घुल–मिल गए। सार्वजनिक रूप से उनकी कई बार उपस्थिति ने न केवल प्रशंसकों को उत्साहित किया, बल्कि कई लोगों के लिए कपल गोल भी निर्धारित किए। हाल ही में, टेलर न्यू हाइट्स पॉडकास्ट में केल्सी बंधुओं, ट्रैविस और जेसन के साथ दिखाई दिए।

दूध के अलावा इन चार चीजों में भी होता है भरपूर कैल्शियम, आज से ही डाइट में करें शामिल

अक्सर लोग शरीर में कैल्शियम की कमी को दूर करने के लिए दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करते हैं। बहुत कम लोगों को मालूम है कि दूध के अलावा भी कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए कुछ और विकल्प भी हैं। आइए इस लेख में उसी के बारे में जानते हैं।कैल्शियम हमारे शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण खनिज है, जो न केवल हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है, बल्कि मांसपेशियों के कार्य, तंत्रिका संचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब भी कैल्शियम की बात आती है तो सामान्यतौर पर सबसे पहले लोगों के दिमाग में दूध का विकल्प आता है।कई लोग लैक्टोज इनटॉलेरेंस या वीगन डाइट के कारण दूध का सेवन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप डेयरी प्रोडक्ट के अलावा भी कुछ चीजों का सेवन कर सकते हैं जिनमें कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करके आप अपनी कैल्शियम की दैनिक जरूरत को आसानी से पूरा कर सकते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं। आइए इस लेख में दूध के अलावा चार ऐसी चीजों के बारे में जानते हैं, जिनमें कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है।

चिया सीड्स

अक्सर कुछ लोग चिया सीड्स को सुपरफूड्स के नाम से जानते हैं। ये छोटे से बीज पोषक तत्वों का भंडार होते हैं। इनमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा, चिया सीड्स में फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड और प्रोटीन भी होते हैं, जो पाचन, हृदय और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना बहुत आसान है। आप इन्हें अपनी सुबह की स्मूदी, दलिया या सलाद में मिलाकर खा सकते हैं, जिससे आपके शरीर को भरपूर पोषण मिल सके।

बादाम

बादाम केवल दिमाग के लिए ही नहीं, बल्कि हमारी हड्डियों के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। बादाम में कैल्शियम के साथ-साथ मैग्नीशियम भी होता है। यह मैग्नीशियम शरीर को कैल्शियम को बेहतर तरीके से सोखने में मदद करता है, जिससे हमारी हड्डियां और भी मजबूत बनती हैं।

तिल

तिल के छोटे-छोटे बीज कैल्शियम का एक बड़ा स्रोत हैं। इनमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन और हेल्दी फैट होता है। आप इन्हें सलाद पर छिड़ककर या तिल के लड्डू बनाकर अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

अंजीर

सूखे अंजीर कैल्शियम का एक बेहतरीन स्रोत हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। कैल्शियम के अलावा, इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर और पोटैशियम भी होता है। फाइबर पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है, जबकि पोटैशियम दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। आप इन्हें सीधे खा सकते हैं या अपनी सुबह की दलिया में मिलाकर एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता तैयार कर सकते हैं।

क्या आपको भी है बार-बार भूलने की आदत? दिमाग तेज करने के लिए डाइट में शामिल करें चार सुपरफूड्स

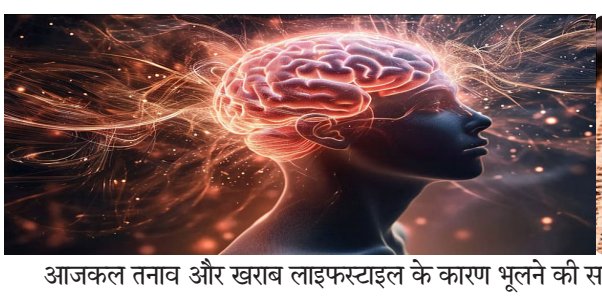

आजकल तनाव और खराब लाइफस्टाइल के कारण भूलने की समस्या आम हो गई है। अगर आप भी छोटी-मोटी बातें भूलने लगे हैं, तो यह आपके लिए एक चेतावनी हो सकती है। आइए इस लेख में ऐसी चार चीजों के बारे में जानते हैं जिसका सेवन करके आप अपने दिमाग को स्वस्थ और सक्रिय रख सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में, तनाव, नींद की कमी और गलत खानपान के कारण बार-बार भूलने की आदत एक आम समस्या बन गई है। यह समस्या सिर्फ अधिक उम्र के लोगों में ही नहीं, बल्कि युवाओं में भी देखने को मिल रही है। अगर आप भी छोटी-छोटी बातें भूल जाते हैं, जैसे चाबियां कहां रखी हैं या कोई महत्वपूर्ण तारीख, तो यह आपके लिए एक चेतावनी हो सकती है। दिमाग को तेज करने और याददाश्त को बेहतर बनाने में आहार अहम भूमिका निभाती है। कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं जिनका सेवन करने से आपका दिमाग स्वस्थ और सक्रिय रहता है, क्योंकि इसमें मौजूद पोषक तत्व मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इन सुपरफूड्स को अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप अपनी याददाश्त को मजबूत बना सकते हैं। इतना ही नहीं आप अपनी ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी बढ़ा सकते हैं और मानसिक थकान को भी कम कर सकते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही चार खाद्य पदार्थ के बारे में जानते हैं।

अखरोट

अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन ई भरपूर मात्रा में होता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमाग की कोशिकाओं के निर्माण और कार्यप्रणाली के लिए बहुत जरूरी होता है। यह याददाश्त को सुधारता है और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

बादाम

बादाम को सदियों से दिमाग के लिए एक बेहतरीन सुपर फूड माना जाता रहा है।

पाटीदार-दानिश के शतक से मध्य क्षेत्र का बड़ा स्कोर, शमी का संतोषजनक प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2025 की गुरुवार को क्वार्टर फाइनल के मुकाबलों के साथ शुरूआत हो गई। पहला मैच उत्तर क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र की टीमों के बीच खेला जा रहा है। दिन का खेल समाप्त होने तक उत्तर क्षेत्र ने आयुष बडोनी की अर्धशतकीय पारी की मदद से छह विकेट पर 308 रन बनाए। वहीं, दूसरे मुकाबले में मध्य क्षेत्र का सामना उत्तर पूर्वी क्षेत्र की टीम से हो रहा है। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मध्य क्षेत्र की टीम ने स्टंप्स तक दो विकेट पर 432 रन बनाए। उनके लिए दानिश मालेवर और कप्तान रजत पाटीदार ने शतकीय पारियां खेलीं।सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के प्रभावशाली प्रदर्शन और बाएं हाथ के युवा स्पिनर मनीषी की धारदार गेंदबाजी की बदौलत पूर्वी क्षेत्र ने पहले दिन स्टंप तक उत्तर क्षेत्र को छह विकेट पर 308 रन ही बनाने दिए। मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष बडोनी ने चिकनी पिच पर 60 गेंद में 63 रन की शानदार पारी खेली। लेकिन उत्तर क्षेत्र के अन्य बल्लेबाजों को इस बात का मलाल रहेगा कि पूर्वी क्षेत्र के गेंदबाजों के खिलाफ मजबूत शुरूआत

करने के बाद भी वे लय में नहीं आ पाए। लेकिन पूरा फोकस शमी पर था जो नवंबर 2024 के बाद से अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे थे। वह पहले दो स्पैल में थोड़ी लय में नहीं दिखे। उत्तर के सलामी बल्लेबाज और कप्तान अंकित कुमार तथा शुभम खजूरिया ने बिना किसी परेशानी के उनका डटकर सामना किया। लेकिन लंच के ठीक बाद उनके तीसरे स्पैल (4-2-9-0) में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। वह ऑफ स्टंप के बाहर बल्लेबाजों की परीक्षा ले रहे थे। बडोनी और निशांत सिंधु के पैड पर कुछ गेंदें लगीं।34 वर्षीय शमी चौथे स्पैल (5-0-26-1) में दिन का अपना पहला विकेट ले सकते थे लेकिन कुमार कुशाग्र ने 27 के निजी स्कोर पर कन्हैया वधावन (37) का कैच टपका दिया। लेकिन शमी को जल्द ही सफलता मिली जब उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर एक ढीली गेंद पर साहिल लोत्रा को विकेट के पीछे कैच करा दिया। शमी भले ही हर गेंद पर उतने खतरनाक नहीं दिख रहे थे जितना वह अपने खेल और फिटनेस के शीर्ष पर होने पर करते हैं। लेकिन उन्होंने दिन में 17 ओवर (55 रन देकर 1 विकेट) में संतोषजनक प्रदर्शन किया। हाल में दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बडोनी ने अपने आक्रामक खेल से प्रभावित किया और उनके ड्राइव देखने लायक थे।

उन्होंने लाल गेंद की जरूरतों के अनुसार खुद को पूरी सहजता से ढाल लिया। वह तेज गेंदबाज मुख्तार हुसैन की गेंद पर पुल करने की कोशिश में लेग साइड में कैच आउट हो गए।उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाज खजूरिया (26), अंकित (30), यश ढुल (39) और निशांत (47) अच्छी शुरूआत के बावजूद इसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके।

भारत के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के लिए चिंता की बात रही क्योंकि उन्हें पहले और दूसरे सत्र के बीच अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट के इलाज के लिए नौ ओवर मैदान से बाहर बिताने पड़े।

नीरज चोपड़ा को विश्व चैंपियनशिप तक लय हासिल करने का भरोसा, जूलियन वेबर के लिए जताई खुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा ने स्वीकार किया कि डायमंड लीग फाइनल में उनकी

टाइमिंग अच्छी नहीं थी लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अगले महीने विश्व चैंपियनशिप तक वह लय हासिल कर लेंगे।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा को अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप तक लय हासिल करने की उम्मीद है। नीरज ने गुरुवार को डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लिया, लेकिन वह उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया और दूसरे स्थान पर रहे। नीरज इस दौरान संघर्ष करते दिखे थे और उन्होंने लगातार तीन प्रयास फाउल किए थे। नीरज फाइनल में 85.01 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो से दूसरे स्थान पर रहे। नीरज 2022 में डायमंड लीग की ट्रॉफी अपने नाम कर चुके हैं, लेकिन 2023 और 2024 के बाद इस वर्ष भी वह उपविजेता रहे।

जापान की तकनीक और भारत की प्रतिभा से आर्थिक संबंध मजबूत; बोले जापान के पीएम इशिबा

एजेंसी

नई दिल्ली। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत की उत्कृष्ट प्रतिभा एक-दूसरे की पूरक हैं। इससे हमारे आर्थिक संबंधों का विस्तार हो रहा है। कई जापानी कंपनियां मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।जापान की तकनीक और भारत की प्रतिभा ने आर्थिक संबंधों को विस्तार दिया है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने शुक्रवार को भारत-जापान आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जापान ने मेक इन इंडिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इशिबा ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत की उत्कृष्ट प्रतिभा एक-दूसरे की पूरक हैं। इससे हमारे आर्थिक संबंधों का विस्तार हो रहा है। कई जापानी कंपनियां मेक इन इंडिया पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आज हमारी कंपनियों के बीच नए सहयोग दस्तावेजों पर हस्ताक्षर, भारत में अपने निवेश को आगे बढ़ाने और सहयोग को मजबूत करने के लिए जापान की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रमाण देता है कि हम दोनों देशों को इर्द-गिर्द केंद्रीत अपनी आपूर्ति श्रृंखला का लगातार निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रमुख पहलों में लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत नीति के तहत तकनीक और बाजारों का लाभ उठाना, और सेमीकंडक्टर, जैव ईंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग करना शामिल है। एआई, अंतरिक्ष और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रयास जारी हैं। दोनों सरकारें इन पहलों का समर्थन करती हैं। इनका उद्देश्य अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा देना है।इशिबा ने आगे कहा कि वह सहयोग और लोगों के बीच संबंधों में वृद्धि देखना चाहते हैं। उन्होंने अपनी वाराणसी यात्रा का भी जिक्र किया और प्रौद्योगिकी एवं संस्कृति के मेल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि भविष्य में हमारा द्विपक्षीय सहयोग निरंतर विकसित होता रहे। प्रधानमंत्री मोदी 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 29-30 अगस्त तक जापान की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।

भारत में सीएनजी नेटवर्क का हो रहा विस्तार, 2030 तक 18000 स्टेशन बनाने का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा के प्रयासों के बीच अगले पांच वर्षों में देश में सीएनजी स्टेशनों की संख्या मौजूदा 8,150 से दोगुनी होकर 18,000 हो जाएगी। मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में शहरी गैस वितरण नेटवर्क में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।स्वच्छ ऊर्जा के तहत भारत 2030 तक सीएनजी स्टेशनों की संख्या दोगुनी करके 18,000 करेगा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में पुरी ने सरकार की एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड योजना के तहत उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 2014 में देश में केवल 738 सीएनजी स्टेशन थे। आज, यह संख्या बढ़कर 8,150 से ज्यादा हो गई है। यह बसों, ऑटो और कारों को किफायती और स्वच्छ ईंधन से ऊर्जा प्रदान कर रही है। 2030 तक, यह नेटवर्क 18,000 से ज्यादा स्टेशनों तक विस्तारित हो जाएगा।मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में शहरी गैस वितरण नेटवर्क में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। 2014 में जो नेटवर्क केवल 55 भौगोलिक क्षेत्रों तक सीमित था, वह आज बढ़कर 307 क्षेत्रों तक पहुंच गया है। यह लगभग पूरे देश को कवर करता है, 99 प्रतिशत आबादी और 96 प्रतिशत भू-भाग तक पहुंचता है।वर्तमान में 1.52 करोड़ घर पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) से जुड़े हुए हैं, जिससे रसोई सुरक्षित और स्वच्छ हो गई है। इस बदलाव के पीछे गैस पाइपलाइन नेटवर्क है, जो इस प्रणाली की रीढ़ है। वर्तमान में, पाइपलाइनें 25,429 किलोमीटर तक फैली हुई हैं, और चल रहे निर्माण कार्यों के कारण 2030 तक इसके 33,475 किलोमीटर तक विस्तारित होने की उम्मीद है। यह एकीकृत प्रणाली तटों से लेकर सुदूर कस्बों तक निर्बाध ईंधन प्रवाह सुनिश्चित करती है।पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि देश हरित ईंधन की ओर भी बढ़ रहा है। अब तक 113 कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र चालू हो चुके हैं, और 78 और संयंत्र पाइपलाइन में हैं। पिछले वर्ष लगभग 42,800 टन सीबीजी की खरीद की गई थी। इस वर्ष के लिए सम्मिश्रण लक्ष्य 1 प्रतिशत निर्धारित किया गया है, जिसे 2028 तक बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया जाएगा।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून 2025 तक भारत की कुल स्थापित क्षमता 476 गीगावाट तक पहुंच गई। इसमें से 240 गीगावाट थर्मल पावर से आता है, जो कुल उत्पादन का 50.52 प्रतिशत है। गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत 235.7 गीगावाट या कुल क्षमता का 49 प्रतिशत योगदान देते हैं। इसमें 226.9 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और 8.8 गीगावाट परमाणु ऊर्जा शामिल है। गैस आधारित बिजली कुल क्षमता में 20 गीगावाट का योगदान देती है। पिछले ग्यारह वर्षों में, भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उडढ26 प्रतिबद्धता के अनुरूप, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावाट की स्थापित क्षमता हासिल करने के लिए कार्य कर रहा है।

'रोहित-कोहली और पुजारा सम्मानजनक विदाई के हकदार थे'

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली, रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा सम्मानजनक विदाई के हकदार थे। श्रीकांत ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की आलोचना करते हुए कहा कि वह कोहली और रोहित के साथ टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास लिए जाने के बारे में ठीक से बात नहीं कर पाई। रोहित और कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हाल ही में पुजारा ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कह दिया था। पुजारा को हाल ही में संपन्न हुए इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में नहीं चुना गया था। पुजारा ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल

में खेला था। पुजारा इसके बाद घरेलू क्रिकेट में खेलते रहे, लेकिन उन्होंने 2025-26 सीजन से ठीक पहले उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया। श्रीकांत ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, अगर आप अपने देश के लिए 100 टेस्ट खेलते हैं तो आप एक बेहतरीन क्रिकेटर जरूर होंगे। इसलिए आपको एक शानदार विदाई मिलनी चाहिए। मुझे पूरा यकीन है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के समय संवादहीनता बहुत ज्यादा थी। उन्हें उनसे बात करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय यह खेल और भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता रह चुके श्रीकांत ने जोर देकर कहा कि कोहली में अभी कम से कम दो साल का टेस्ट क्रिकेट बाकी था और वह एक उचित विदाई के हकदार थे।

एफआईएच प्रो लीग में हिस्सा लेगी पाकिस्तान हॉकी टीम, तटस्थ स्थल पर भारत से हो सकता है सामना

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम पुरुष एफआईएच प्रो लीग के सातवें सीजन का हिस्सा होगी। इस बात की संभावना अधिक है कि भारत और पाकिस्तान के बीच प्रारंपिक तौर पर होम-अवे प्रारूप में खेले जाना वाला इस टूनार्मेंट का यह मुकाबला तटस्थ स्थल पर हो सकता है। पाकिस्तान आगामी सत्र में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी, भारत, नीदरलैंड और स्पेन के साथ शामिल होगा जिसके विस्तृत कार्यक्रम का अभी इंतजार है।

न्यूजीलैंड की जगह पाकिस्तान को मिला मौका

पाकिस्तान को इस वर्ष की शुरूआत में मलेशिया में खेले गए एफआईएच हॉकी नेशंस कप के माध्यम से पदोन्नत किया गया था। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर वह प्रतियोगिता जीत ली थी, लेकिन बाद में उन्होंने संकेत दिया कि वे इस बार प्रो लीग में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार नहीं करेंगे। हॉकी की वैश्विक संस्था ने बयान में कहा, जैसा कि नियमों में निर्धारित है, एफआईएच ने उपविजेता, अर्थात पाकिस्तान को निमंत्रण दिया है, जिन्होंने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

भारत सरकार ने बनाई थी खेल नीति

भारत सरकार ने हाल ही में एक खेल नीति बनाई थी जिसमें यह बताया गया था कि किसी भी खेल में पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाएगी। इस साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

संक्षिप्त समाचार

आयुष निदेशक करेंगी होम्योपैथी निदेशालय में मृतक आश्रित नियुक्ति की जांच

लखनऊ (संवाददाता)। होम्योपैथी विभाग में मृतक आश्रितों की भर्ती की फिर से जांचहोगी। आयुष मिशन की निदेशक निशा अनंत को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। मृतक आश्रितों की भर्ती को लेकर विधायक शहजिल इस्लाम अंसारी ने सितंबर 2023 में सवाल उठाया था। होम्योपैथी निदेशालय के अधिकारियों पर आरोप है कि 2022 में छह मृतक आश्रित की गलत नियुक्तियां की थी। आश्वासन समिति ने होम्योपैथी विभाग से इस संबंध में जवाब मांगा लेकिन संतुष्ट न होने पर इस मामले की जांच सीडीओ लखनऊ से कराने के निर्देश दिए गए थे। तत्कालीन सीडीओ लखनऊ ने इस मामले की जांच की। उन्होंने पाया कि होम्योपैथी निदेशालय में छह मृतक आश्रितों की नियुक्ति में लगाए दस्तावेज संदिग्ध थे। सीडीओ की रिपोर्ट में सामने आया था कि कर्मचारी बिसन लाल की मौत होने के 30 साल बाद उनकी बेटी को मृतक आश्रित कोटे के तहत नौकरी दी गई, जबकि इसके लिए अधिकतम पांच साल का समय के अंदर आवेदन होना चाहिए। पुत्तू लाल की आश्रित का दस्तावेज संदिग्ध पाया गया था। एक अन्य नियुक्त के लिए विभागीय स्तर पर पदों के सृजन में भी गड़बड़ी की गई थी। लेकिन सीडीओ की जांच रिपोर्ट के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। 26 अगस्त को आश्वासन समित की बैठक में फिर से पूरे मामले की जांच आयुष मिशन की निदेशक से कराने के निर्देश दिए गए हैं। आयुष मिशन की निदेशक निशा अनंत का कहना है कि अभी उन्हें इससे संबंधित कोई पत्र नहीं मिला है।

छात्रा से छेड़छाड़ में फिजियोलॉजिस्ट सस्पेंड

लखनऊ (संवाददाता)। राज्य खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान एसआईएफपीटी में एमएससी की छात्रा से फिजियोलॉजिस्ट मनोज कुमार प्रचेता के छेड़छाड़, चैटिंग का मामला सामने आया है। जांच के बाद आरोपी को निलंबित कर दिया गया है।उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग परिसर में एसआईएफपीटी चलता है। एमएससी खाद्य प्रौद्योगिकी की पढ़ाई होती है। संस्थान बुंदेलखंड विवि से संबद्ध है। यहां की छात्रा ने फिजियोलॉजिस्ट कम बायोकेमिस्ट मनोज पर छेड़खानी और मोबाइल फोन पर असमय चैटिंग के आरोप लगाए थे।उद्यान विभाग की उप निदेशक गीता द्विवेदी की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने जांच की। इसके बाद अपर मुख्य सचिव बीएल मीना ने आरोपी को निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। रेशम विभाग के संयुक्त सचिव भूपेंद्र सिंह को जांच अधिकारी नामित किया गया है।यह सब संस्थान में आए दिन विवाद होता रहा है। कभी छात्रवृत्ति को लेकर विवाद होता है तो कभी हाजिरी को लेकर। आरोप है कि पढ़ाई के नाम पर सिर्फ खानापूरी हो रही है। आलम यह है कि कुछ छात्रों को बिना हाजिरी के ही पास कर दिया जाता है।

आगरा में तैनात एसडीएम की सड़क दुर्घटना में मौत, लखनऊ से जा रहे थे वापस

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर आज शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसे में आगरा में तैनात अपर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार जायसवाल की मौत हो गई। चालक गंभीर रूप से घायल है,जिसे उपचार के लिए सैफई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर नगर मजिस्ट्रेट आगरा राजेश कुमार अपनी क्रेटा कार से लखनऊ से आगरा की तरफ जा रहे थे। उनकी कार जैसे ही आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के 77- किमी पर पहुंची तभी ये हादसा हो गया। कार किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार अपर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार जायसवाल और कार ड्राइवर पंकज कुमार शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। दोनों को गंभीर घायल अवस्था में उपचार के लिए सैफई मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने अपर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार जायसवाल को मृत घोषित कर दिया। चालक की हालत गंभीर बनी हुई है।हादसे की जानकारी मिलते ही प्रभारी तहसीलदार संतोष राजौरिया और प्रभारी निरीक्षक महाराज सिंह भाटी सैफई अस्पताल पहुंच गए। हादसे की जानकारी जब आगरा में लगी तो प्रशासनिक अधिकारियों में शोक की लहर दौड़ गई।

बप्पा के दरबार में गूंजा मंगल मूर्ति मोरिया...

लखनऊ (संवाददाता)। अलीगंज का राजा गणेश पूजा सेवा समिति की ओर से गुलाब वाटिका अपार्टमेंटस नेहरू बाल वाटिका पार्क के पास, अलीगंज मे चल रहे 13 वां श्री गणेश जन्मोत्सव के तीसरे दिन शुक्रवार को सुबह बप्पा की पूजा अर्चना के बाद शाम को फूलों की सुंदर व विशाल गजरा गजानन को पहनाई गई। इस दौरान समिति के संरक्षक राज कुमार सिंघल, महेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, मनोज मिश्रा, अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, महामंत्री शरद तिवारी, शुभम अग्रवाल आदि लोग थे। शाम को लखनऊ की भजन गायिका अनुष्का मिश्रा ने बप्पा के दरबार में भजनों की शुरूआत गणपति बप्पा मोरिया ..., से करने के बाद राम रख ले तेरे भाग्य जाग जाएंगे..., सुनाया। उसके बाद मेरी गाड़ी मेरा बंगला सब कुछ तेरा सरकार..., सुनाया तो लोग झूमने लगे। इसी क्रम में मंजू यादव ने बप्पा के दरबार में कई सुंदर-सुंदर भजन सुनाए। मीडिया प्रभारी मनीष गुप्ता ने बताया कि 29 अगस्त को प्रातः 9 बजे से श्रृंगार, पूजन, अभिषेक, शाम को भजन संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। संरक्षक संदीप अग्रवाल ने बताया कि बप्पा के दरबार में आने वाले सभी भक्तों को प्रतिदिन प्रसाद दिया जाएगा। विसर्जन शोभा यात्रा 31 अगस्त को निकली जाएगी।

ऋषि का सद्साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है: उमानन्द शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत आर०जी०एस० कॉलेज ऑफ फार्मेसी, इटौंजा, लखनऊ, उ०प्र० के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 447वाँ ऋषि वा०य की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्त्री सीमा निरंजन एवं अनिल कुमार निरंजन ने अपने पुत्र हर्षवर्धन निरंजन एवं पुत्री अदिति निरंजन के उज्ज्वल भविष्य के लिए भेंट किया तथा उपस्थित संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट की।

यूपी में होगी होमगार्ड जवानों की नई भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में होमगार्ड जवानों के रिक्त पदों को भरने के लिए तत्काल भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। बदलती परिस्थितियों और बढ़ती जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्होंने एनरोलमेंट से जुड़े नियमों में संशोधन पर जोर दिया। सीएम ने कहा,भर्ती प्रक्रिया समयबद्ध पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। पुलिस भर्ती एवं प्रशिक्षण बोर्ड के सहयोग से एक नया बोर्ड गठित किया जाएगा। प्रदेश में इस समय 1,18,348 स्वीकृत पदों में 71,155 होमगार्ड कार्यरत हैं। अगले दस वर्षों में 38,000 स्वयंसेवक सेवानिवृत्त होंगे। मौजूदा बल में 51 फीसदी से अधिक होमगार्ड 50 वर्ष से ऊपर की उम्र के हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को अवसर देने और बल को अधिक सक्षम बनाने के लिए भर्ती के नियमों में बदलाव किया जाए। एनरोलमेंट की अधिकतम आयु 30 वर्ष तय की जाए। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा को अनिवार्य किया जाएगा और पात्रता मानक समयानुकूल बनाए जाएंगे। आपदा प्रबंधन का अनुभव या प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को प्राथमिकता की बात कही गई। अधिकारियों ने बताया कि होमगार्ड विभाग की प्रक्रियाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा है।

16 साल की लड़की से गैंगरेप

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 4 युवकों ने दलित किशोरी को अगवा कर उसके साथ गैंगरेप किया। पहले 2 युवकों ने बाइक से किशोरी(16 साल) को जंगल में ले गए। वहां दो अन्य युवकों को भी बुलाया। इसके बाद एक-एक कर चारों ने किशोरी के साथ दरिंदगी की। इसके बाद बाइक पर बैठाकर उसे दूसरी जगह ले जाने लगे। तभी रास्ते में किशोरी ने हिम्मत दिखाते हुए बाइक की हैंडल पकड़कर खींच दी। इससे बाइक गिर पड़ी। वहां मौजूद ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ लिया। उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पूछताछ में एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा। बाकी दो आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना गुरुवार रात बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र की है। बख्शी का तालाब की रहने वाली 16 साल की किशोरी गुरुवार रात करीब 8.30 बजे अपने पुराने घर से नए घर की तरफ जा रही थी। रास्ते में सुनसान जगह पर मौका पाकर 2 युवकों ने उसे जबरन पकड़ लिया। उसका मुंह दबाकर बाइक पर बैठा लिया। इसके बाद जंगल ले गए। वहां दो अन्य युवकों को भी बुलाया। चारों ने किशोरी के साथ गैंगरेप किया। विरोध करने पर उसकी बुरी तरह से पिटाई की। गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। उसके बाद बाइक पर बैठाकर किसी अन्य जगह ले जाने लगे। गांव के पास रास्ते में किशोरी ने शोर मचाना शुरू कर दिया। किशोरी ने हिम्मत दिखाकर बाइक का हैंडल मोड़ दिया। इससे बाइक गिर गई। किशोरी का शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने 1 युवक को पकड़ लिया। किशोरी ने लोगों को आपबीती बताई। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस कंट्रोल रूम में शिकायत की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया। उसे थाने ले जाकर पूछताछ की। उसके आधार पर उसके एक साथी को भी पकड़ लिया। दोनों आरोपियों की पहचान शिवा सिंह और राज के रूप में हुई। दो अन्य आरोपियों को किशोरी पहचान नहीं पाई। परिजनों ने मामले की बीकेटी थाने में लिखित शिकायत दी। आरोप है कि पुलिस शुरू में कार्रवाई करने में हीलाहवाली कर रही थी। इस पर लाखन आर्मी के चीफ सूरज पासी ने एक्स पर मामले को लेकर पोस्ट किया। उन्होंने लखनऊ पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और डीजीपी को टैग करते हुए लिखा- थाना बक्शी का तालाब जनपद लखनऊ क्षेत्र में नाबालिग बच्ची से गैंगरेप हुआ है। उनके इस पोस्ट को वुमन एंड चाइल्ड सिक्योरिटी ऑर्गेनाइजेशन 1090 ने लखनऊ पुलिस को टैग करते हुए मामले में कार्रवाई करने के लिए रीपोस्ट किया। उसके बाद लखनऊ पुलिस ने मामला संज्ञान में होने की जानकारी दी।

राहुल गांधी की चांदी की चम्मच पर भारी पड़ रही चाय की चम्मच

पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर केशव मौर्य ने गांधी परिवार पर साधा निशाना

लखनऊ (संवाददाता)। बिहार में कुछ अज्ञात लोगों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी किए जाने के एक दिन बाद शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा उनकी चांदी की चम्मच पर (मोदी की) चाय की चम्मच भारी पड़ रही है।

उपमुख्यमंत्री मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी छोटी लाइन को मिटाने के बजाय उससे बड़ी लाइन खींचने में यकीन रखते हैं। यही बात सोनिया गांधी, प्रियंका वाद्रा और राहुल गांधी को अखरती है। उन्होंने कहा इसलिए नफरत, घृणा व अंहकार से लबालब यह तिकड़ी मोदी जी को कभी मौत का सौदागर, नीच या वोट चोर कहकर उनकी खिल्ली उड़ाती है। दरअसल, ऐसा कहकर वह जनता का मजाक उड़ाती है।

पिछड़े वर्ग से आने वाले राज्य के प्रमुख नेता एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मौर्य ने कहा, गांधी परिवार को कतई इल्म नहीं कि देश के सबसे बड़े पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले मोदी जी का पसीना देखकर ही जनता ने उनको तीन बार इस देश का प्रधानमंत्री चुना है। उन्होंने कहा, वह राहुल जी की तरह चांदी का चम्मच लेकर तो पैदा नहीं हुए थे लेकिन उनकी चांदी की चम्मच पर चाय की चम्मच भारी पड़ रही है।

योगी सबसे पसंदीदा सीएम, पीएम मोदी का जलवा कायम

- **सर्वे में बड़ा खुलासा, योगी टॉप पर, ममता भी पसंद**
- **सर्वे ने खोली नेताओं की लोकप्रियता की पोल**

लखनऊ (संवाददाता)। देश में वर्तमान में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री कौन है? इस सवाल का जवाब एक सर्वे ने दिया है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रेस में बाजी मारी है और देश के सबसे पसंदीदा मख्यमंत्री बनकर उभरे हैं।इंडिया टुडे और सी- वोटर के श्मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने कई चैंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। सर्वे में न सिर्फ राज्यों के मुख्यमंत्रियों की लोकप्रियता का पता चला बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज को लेकर भी लोगों की राय सामने आई। सर्वे में देशभर के अलग-अलग राज्यों के लोगों ने हिस्सा लिया, जिससे यह तस्वीर और साफ हो गई कि जनता का मूड क्या है।सर्वे में 36 फीसदी लोगों ने योगी आदित्यनाथ को देश का सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री चुना। चैंकाने वाली बात यह है कि इस लिस्ट में दूसरा नाम बीजेपी की कट्टर विरोधी पार्टी की नेता का है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 13 फीसदी लोगों ने सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री बताया। तीसरे नंबर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू हैं, जिन्हें 7 फीसदी लोग सबसे पसंदीदा मानते हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने सबको पीछे छोड़ दिया। उन्हें अपने राज्य में सबसे ज्यादा पसंद किया गया। छोटे राज्यों की बात करें तो सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने 54 फीसदी वोट के साथ पहला स्थान हासिल किया। अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू42 फीसदी वोट के साथ दूसरे और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री 40 फीसदी वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।सर्वे में यह भी सामने आया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी जनता के फेवरेट बने हुए हैं। 52 फीसदी लोगों ने उन्हें अगले प्रधानमंत्री के लिए सबसे सही विकल्प बताया। 58 फीसदी लोग उनके काम को अच्छा या बहुत अच्छा मानते हैं। लोगों ने बेरोजगारी को मोदी सरकार की सबसे बड़ी नाकामी बताया, जबकि राम मंदिर निर्माण उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि मानी गई।यह सर्वे देश की सियासी तस्वीर को साफ करता है और दिखाता है कि जनता के दिलों में कौन से नेता जगह बना रहे हैं।

रेलवे ओवरब्रिज निर्माण से आवागमन बाधित भाजपा पदाधिकारियों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। नगर पंचायत शंकरगढ़ में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण के चलते रेलवे फाटक को दिसंबर तक बंद कर दिया गया है। इसके कारण क्षेत्रवासियों को शंकरगढ़ सदर बाजार के रास्ते से होकर आना-जाना पड़ रहा है, जहाँ आए दिन घंटों लंबा जाम लग रहा है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब कोई मरीज एम्बुलेंस में फँस जाता है। इसी समस्या के समाधान हेतु भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रयागराज संतोष त्रिपाठी के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों ने 30 अगस्त को जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात की और एक प्रार्थना पत्र सौंपकर समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में बताया गया कि रेलवे स्टेशन शंकरगढ़ और ज्योति गेस्ट हाउस के बीच तालापार की ओर जाने वाली सड़क, जो रेलवे अंडर ब्रिज संख्या 1311/1 होकर मोदी नगर वाया पटहट रोड तक जाती है, जीर्ण-शीर्ण स्थिति में है। यदि इस सड़क का जीर्णोद्धार कराया

जाए तो क्षेत्रवासियों को जाम की समस्या से निजात मिल सकेगी और सुगम यातायात व्यवस्था बहाल होगी। भाजपा पदाधिकारियों ने मांग की कि डीआरएम उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज और नगर पंचायत शंकरगढ़ के अधिकारियों की संयुक्त बैठक कर तत्काल इस सड़क का जीर्णोद्धार सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी के साथ निवर्तमान जिला अध्यक्ष भाजपा यमुनापार विभव नाथ भारती, मुन्ना मिश्रा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीएम योगी ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण

गाजीपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोमती नदी की बाढ़ से प्रभावित सैदपुर क्षेत्र का हवाई निरीक्षण किया। उन्होंने तेतारपुर और गौरहट गांव का हेलीकॉप्टर से जायजा लिया। सीएम का हेलिकॉप्टर सुबह 9:25 पर वाराणसी से रवाना हुआ और 9:35 पर तेतारपुर गांव पहुंचा। करीब 15 मिनट तक दोनों गांवों का दो बार चक्कर लगाने के

बाद वे 9:50 पर लखनऊ के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। गोरखा स्थित जसवंत राय स्मारक इंटर कॉलेज में अस्थायी हेलीपैड बनाया गया था। वहां पीएसी बल, सिविल पुलिस, दमकल और एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई थी। सीएम के हेलिकॉप्टर के उड़ान भरने तक प्रशासन सतर्क रहा। बाढ़ प्रभावित गांवों के किसानों ने बताया कि पहली बाढ़ से बची हुई फसल भी दूसरी बाढ़ में पूरी तरह नष्ट हो गई। धान, बाजरा और रहर की फसल को भारी नुकसान हुआ है। अब स्थानीय प्रशासन किसानों को मुआवजा दिलाने के लिए सर्वे की तैयारी कर रहा है।

बाजारों में गणेश उत्सव की धूम, देर रात तक गूंजे भजन-कीर्तन

रिपोर्टर : मनीष सुसारी, जोनल ब्यूरो चीफ प्रयागराज

प्रयागराज। 27 अगस्त से गणेश पूजा महोत्सव की धूम पूरे क्षेत्र में देखने को मिल रही है। शंकरगढ़ की गल्ला मंडी गली में भव्य गणेश पंडाल सजाया गया है।

वहीं शंकरगढ़ क्षेत्र के कई गांवों में भी पंडाल लगाकर पूजा-अर्चना का कार्यक्रम चल रहा है। नगर पंचायत क्षेत्र के गल्ला मंडी गली और शंकरगढ़ सदर बाजार में व्यापारियों द्वारा आकर्षक पंडाल बनाए गए हैं, जहां बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। शनिवार को शंकरगढ़ पंखा टोला में भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद देर रात तक आरती, भजन-कीर्तन और जयकारों का दौर चलता रहा। पंडालों में देवा श्री गणेशा के जयकारे गूंजते रहे। वहीं भक्तों के लिए आरती की थाली सजाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। महिला कीर्तन समिति की कलाकारों ने म्हारे कीर्तन में रस बरसायो जैसे मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु तालियां बजाने को मजबूर हो गए। गांवों से लेकर कस्बों तक, गणेश महोत्सव ने पूरे क्षेत्र को भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया है।

कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज में स्वदेशी उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन आयोजित

प्रयागराज (शंकरगढ़)। कैंब्रिज हाई स्कूल एंड कॉलेज, शंकरगढ़ के सिंदूर बहुउद्देशीय कक्ष में स्वावलंबी भारत अभियान के तत्वाधान में स्वदेशी उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी (प्रांत सह-समन्वयक, स्वावलंबी भारत अभियान एवं मेला प्रभारी, काशी प्रांत स्वदेशी जागरण मंच) तथा डॉ. अश्विनी कुमार द्विवेदी (विभाग संयोजक, प्रयागराज विभाग, काशी प्रांत) ने छात्र-छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और देशी उत्पादों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने विदेशी वस्तुओं का त्याग कर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग को देश की

अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का प्रमुख साधन बताया। विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में स्वदेशी ही एकमात्र विकल्प है। हमें विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी बालेंद्र पांडेय, मनी शंकर दुबे, सौरभ प्रकाश, मनोज तिवारी, पंकज मिश्रा, राजेश गोस्वामी, अखिलेश पांडे, पंकज श्रीवास्तव, इमरान अहमद, नरेश श्रीवास्तव, रेखा सिंह, सिम्मी गुप्ता, रितु सुसारी, रीना गोस्वामी, मीरा श्रीवास्तव, वंदना शुक्ला, मधु केसरवानी, सोमवती विश्वकर्मा, प्रीति सेन, ऊषा सिंह, निहारिका सेन, अंजू गुप्ता, सीमा सिंह, आभा मिश्रा, कोमल त्रिपाठी सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में मेजर ध्यानचंद जयंती मनाई गई

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2), पक्कीबाग में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह, प्रथम सहायिका रुक्मिणी उपाध्याय एवं शारीरिक प्रमुख दीपेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान मेजर ध्यानचंद के जीवन, उनके खेल के प्रति समर्पण और भारतीय हॉकी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह ने अपने संबोधन में छात्रों से मेजर ध्यानचंद के अनुशासन, मेहनत और देशभक्ति से प्रेरणा लेने का आान किया। वहीं शारीरिक प्रमुख दीपेंद्र सिंह ने खेल के महत्व

को रेखांकित करते हुए छात्रों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। प्रथम सहायिका रुक्मिणी उपाध्याय ने मेजर ध्यानचंद की जीवनी पर आधारित प्रेरक भाषण दिया और उनके संघर्ष एवं उपलब्धियों को उजागर किया।

सैनिक नगर सेक्टर में मतदाता पुनरीक्षण अभियान की बैठक सम्पन्न

गोरखपुर। वार्ड संख्या 07 मालवीय नगर मंडल अंतर्गत सैनिक नगर शक्ति केंद्र पर भाजपा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने की तथा संचालन शक्ति केंद्र प्रमुख भूतपूर्व वारंट अधिकारी दयानंद साहनी ने किया। बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी, वार्ड अध्यक्ष, वार्ड संयोजक सहित मंडल के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रमुख अतिथियों में पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश पासवान, मंडल महामंत्री शिवेंद्र गौड़ श्रीवास्तव, मंडल मंत्री

अश्विनी सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी इंजीनियर बृजमोहन, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुनीता पाण्डेय तथा विभिन्न बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में आगामी चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए मतदाता पुनरीक्षण अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर सभी बूथ अध्यक्षों को मतदाता सूची वितरित की गई और मतदाताओं के नामों के शुद्धिकरण तथा नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भाजपा कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे घर-घर जाकर प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में जोड़ेंगे और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

कमलेश बौद्ध को बनाया गया भीम आर्मी जय भीम का प्रदेश महासचिव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के दुबग्गा में आज भीम आर्मी जय भीम संगठन के महानगर कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर संगठन के प्रदेश महासचिव कमलेश बौद्ध का सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी में स्वागत किया।

कमलेश बौद्ध ने बताया कि बहन जी को मुख्यमंत्री बनने के प्रमुख लक्ष्य को लेकर भीम आर्मी जय भीम संगठन लगातार सामाजिक लड़ाई लड़ता रहेगा हम लोग बहन बेटियों के मान सम्मान के लिए भोजन समाज के मान सम्मान के लिए हमेशा खड़े रहेंगे आने वाली 7 तारीख को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह नौटियाल भी लखनऊ में आएंगे जो की कैडर कैंप करके पदाधिकारी को एक नई दिशा देने का काम करेंगे।

इस मौके पर अशोक भारती राम दुलारे गौतम आरिफ खान अनिल कुमार रिटायर्ड फौजी राहुल गौतम फाजिल अली अवध बिहारी गौतम अंकित कुमार राधे गौतम सुंदरलाल गया प्रसाद गौतम मौजूद रहे।

ABVP Gorakh Prant Executive Meeting Held at Yogiraj Baba Gambhirnath Auditorium, Gorakhpur

- **This year too, ABVP will set a new record in membership" : Mayank Rai**
- **Nation-building through character-building is ABVP's broader vision" : Ankit Shukla**

Gorakhpur | The provincial executive meeting of Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) Gorakh Prant was successfully held at Yogiraj Baba Gambhirnath Auditorium and Cultural Center in Gorakhpur. The meeting was inaugurated by lighting the ceremonial lamp in the presence of ABVP's National Minister Ankit Shukla, Regional Organization Minister Ghanshyam Shahi, Prant President Dr. Rakesh Pratap Singh, Prant Minister Mayank Rai, and Prant Organization Minister Puneet Agrawal.

During the session, organizational issues were discussed in detail. A comprehensive review of the ongoing activities across various units of the province was conducted, and the roadmap for the upcoming academic session was finalized.

The meeting witnessed the presence of prominent leaders including ABVP Regional Organization Minister Ghanshyam Shahi, along with representatives from 17 organizational districts, Gorakhpur metropolitan unit, and all 8 universities of the province. Nearly 300 karyakarta representatives participated in the deliberations.

In the ongoing 2025–26 Membership Campaign, ABVP Gorakh Prant workers have already connected 2,86,480 students through school-level membership drives, ensuring their active participation in national reconstruction. From September 6, the membership campaign will be launched extensively across higher educational institutions.

On this occasion, the poster for the upcoming "National Environment Youth Parliament" was also unveiled, aimed at raising awareness among students about the conservation and protection of "Jal, Jungle, Jan, Zameen, and Janwar" (Water, Forests, People, Land, and Animals).

Addressing the gathering, National Minister Ankit Shukla said,

ABVP is the only student organization actively working inside educational campuses to promote constructive activities and provide students with opportunities to showcase their talents. Today, ABVP's expansion goes beyond campuses into fields such as society, sports, research, medical, environment, and service."

Regional Organization Minister Ghanshyam Shahi added,

ABVP is committed to personality development through karyakarta (cadre) development. Its work plans are all-inclusive and impactful, ensuring benefits to every section of society."

Prant President Dr. Rakesh Pratap Singh remarked,

For 76 years, ABVP has evolved into a multi-dimensional banyan tree, consistently striving for national unity and social upliftment. Through its creative initiatives, ABVP workers are bringing positive change in society."

Prant Minister Mayank Rai emphasized,

ABVP activists raise student-related issues in colleges and work for their redressal. Efforts will be made to regularize entrance examinations and results in all educational institutions. With a vision of student personality development through constructive activities, a detailed plan of upcoming programs has been charted, which all organizational districts will implement effectively."

Digvijay Nath Pandey Submits Memorandum to INTUC National President

- **Reasons behind PRKS's defeat highlighted before INTUC Chief G. Sanjeeva Reddy**
- **Review of NER Employees' Union's third consecutive loss to be held in Delhi: A.K. Singh**

Gorakhpur | The repeated defeat of the Poorvottar Railway Karmachari Sangh (PRKS) has raised serious concerns within the organization. Addressing the press in Gorakhpur, the General Secretary of the union, Arvind Kumar Singh, stated that the continuous third consecutive defeat of PRKS will be thoroughly reviewed at the upcoming NFIR National Convention scheduled on September 3–4 in Delhi. He emphasized that there is now a growing demand for fundamental changes within the organization.

Acting on his instructions, Digvijay Nath Pandey, Senior Vice President of PRKS and Member of the General Council of INTUC, submitted a memorandum to INTUC National President G. Sanjeeva Reddy during the INTUC conference held at the Northern Railway Employees Institute in Varanasi.

In the memorandum, the delegation led by Pandey informed Reddy that in the recently held recognition elections for railway trade unions, the NFIR-affiliated unions registered significant victories across several zonal railways, emerging as the dominant federation.

When Reddy inquired about the reasons behind PRKS's poor performance, Pandey pointed to faulty leadership and alleged that NFIR extended blind support to unsuitable individuals, ignoring the decisions of PRKS's own central executive.

Pandey further revealed that despite PRKS's executive body not endorsing certain individuals for positions in the NFIR executive, the federation went ahead and appointed them as Assistant General Secretary and Zonal Secretary. In secret ballot voting, railway employees outrightly rejected these "tainted faces," leading to what he described as a humiliating defeat.

Demanding accountability, Pandey urged the INTUC National President to direct NFIR President Guman Singh and General Secretary Dr. M. Raghavaiah not to include any "tainted individuals" in NFIR's central executive body in the future.

In Nainital, a raging fire, an old house and memories of a lost time

Dehradun | In Nainital, a raging fire, an old house and memories of a lost timeThe building she used to inhabit predated most of the settlements, including the historic and weathered High Court of Uttarakhand. (Screengrab from video) With the fall of the Old London House, one of the early buildings from the British years in the city, Nainital grieves the loss of another stately monument of memory. Part of the structure was gutted by a fire Wednesday night, leaving its long-time occupant — 82-year-old Shanta Bisht — dead. The building she used to inhabit predated most of the settlements, including the historic and weathered High Court of Uttarakhand. Established in 1863, the Old London House was one of the buildings from the early years of Nainital, coming up in tandem with the British town founded in the 1840s. The city's traffic-choked roads and crammed lanes have been attributed to the sluggish response of the authorities in reaching the spot on time. The overcrowded bada bazaar, where the Old London House stood, had given the fire ample time to engulf the deodar frames and panels with which it was built back in the Victorian era. Dr Ajay Rawat, a former professor of history whose father was a tenant and later the owner of the property.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।